NOTES FOR B.A.-II (HISTORY) HONOURS, 2020.

NOTES PREPARED BY →

DR. MANITA KUMARI YADAV
ASSISTANT PROFESSOR
DEPARTMENT OF HISTORY
VAISHALI MAHILA COLLEGE
HAJIPUR, BIHAR UNIVERSITY
MUZAFFARPUR.

Scanned with CamScanner

इबादतखाना में आमंत्रित धर्माचार्य

हिन्दू धर्म → देवी एवं पुरुषोत्तम

जैन धर्म → हरिविजय सूरी, जिनचंद्रसूरी, विजयसूरी, शांतिचंद्र सूरी

पारसी धर्म → दस्तूर मेहर जिराणा

ईसाई धर्म → एकाविवा एवं मोनसेरेट

- अकबर ने हरिविजय सूरी को जगतगुरु की उपाधि दी
- जिनचंद्रसूरी को युगप्रधान की उपाधि दी।
- अकबर के काल में हुए विद्रोह →

(i) 1504 ई० — उज्बेकों के द्वारा (अब्दुल्ला एवं उज्बेक)

(ii) 1586 ई० — यूसुफजियों के द्वारा बीरबल की मृत्यु भी में हुई थी।

(iii) 1599 ई० — सलीम का विद्रोह

- वीरसिंह बुंदेला ने अबुल फजल की हत्या की थी

— अकबरकालीन महत्वपूर्ण चित्रकार →
चित्रकारी विभाग की स्थापना → दसवंत एवं बसावन। इसका प्रधान अब्दुस्समद को बनाया। इसे शीरीं कलम तथा मधुर लेखनी की उपाधि मिली।

— अकबर के प्रमुख संगीतकार → 36 संगीतकार थे। सबसे प्रसिद्ध तानसेन एवं बाजबहादुर थे। तानसेन को अकबर ने "कण्ठाभरणवाणीविलास" की उपाधि दी।
बैजू बावरा अकबर का समकालीन था।
गोपाल, हरिदास, रामदास, सुजानखाँ, मियाँ चाँद, मियालाल मुख्य संगीतकार थे। तानसेन का मूलनाम रामतनु पाण्डेय।

— महत्वपूर्ण अनुदित पुस्तक → अकबर ने अनुवाद विभाग की स्थापना की, जिसका राजकवि फैजी था।
कवि — तुलसीदास, सूरदास, रहीम खानखाना, रसखान, बीरबल, फैजी, अमीर खुसरो, अमीर हसन देहलवी

महाभारत — फैजी
रामायण — बदायूँनी
भागवत पुराण — टोडरमल
अथर्ववेद — इब्राहिम सरहिंदी
लीलावती — फैजी
सिंहासनबत्तीसी — अबुल फजल
कलियादमन — अबुल फजल
पंचतंत्र — अबुल फजल (अनवर - ए - सादात)
राजतरंगिणी — मुल्ला शाह मुहम्मद
भगवद्गीता — नलदमयंती
हरिवंश पुराण — मौलाना शेरी ने

संभवतः कुरान का पहली बार अनुवाद अकबर के समय हुआ।

— बैरम खाँ की ममेरी बहन सलीमा बेगम थी या पत्नी

— सबसे ज्यादा तथा सबसे बड़ा संघर्ष अकबर के मेवाड़ (चित्तौड़) के साथ हुआ, यह वही राजपूत राज्य था जिसे अकबर नहीं जीत पाये। (राणा उदय सिंह महाराणा

प्रताप सिंह सिसोदिया मेवाड़ के थे तथा इनकी मृत्यु 1557 ई० में हुई थी।

— अकबर के काल में मानसिंह सर्वोच्च पद पर थे।
— अब्दुर्रहीम खानखाना, बैरमखाँ तथा दानियाल को खानखाना की उपाधि दी गयी थी।
— इलाहाबाद की स्थापना सलीम ने की थी।
— मुगलकाल में पहली घटना जब पिता तथा पुत्र दोनों को एक ही उपाधि खानखाना थी।
— अकबर ने गुजरात विजय की याद में फतेहपुर में बुलंद दरवाजा का निर्माण 1601 ई० में करवाया परंतु कुछ विद्वानों का मानना है कि यह दक्षिण विजय (जो कि 1601 ई० में ही हो रहा था उसके उपलक्ष्य में बना है) इसके लिए विद्वान यह तर्क देते हैं कि इसमें दक्षिण के पीले पत्थरों का भी प्रयोग हुआ है।)

— अकबर के समय दक्षिण भारत में 4 मुस्लिम राज्य थे-
(i) खानदेश (ii) अहमदनगर (iii) बीजापुर (iv) गोलकुंडा
↳ (मुगलों की अधीनता स्वीकार की)

खानदेश — दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार

Scanned with CamScanner